दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें।

हेमंत सोरेन जिंदाबाद

झारखंड मुक्ति मोर्चा
कांके, प्रखंड समिति

नवीन तिर्की
अध्यक्ष
कांके प्रखंड
रांची झारखण्ड
MOB- 7677870960

पत्रांक :- 20/26/JMM

दिनांक :- 27-04-26

सेवा में,

विकास आयुक्त सह
अध्यक्ष प्रबंधकारिणी समिति,
रिनपास, कांके, रांची।

विषय :– डॉ0 जयति सिमलाई प्रभारी निदेशक रिनपास के द्वारा लगातार किये जा रहे वित्तीय अनियमित्ताओं को ध्यान में रखते हुए अविलंब निलंबित करने के संबंध में।

महाशय,

अत्यंत दुख के साथ यह सूचित करना है कि पिछले चार वर्षो से वर्तमान निदेशक डॉ0 जयति सिमलाई द्वारा लगातार रिनपास में वित्तीय अनियमित्ता की जा रही है, जो निम्न प्रकार है–

1. सभी नियमो का उल्लंघन करते हुए अपनी मरजी से अपनी सुविधानुसार दिनांक 18 MARCH 2026 को लेखा पदाधिकारी की नियुक्ति की गई एवं अविलंब मुख्य लेखा पदाधिकारी के होते हुए लेखा पदाधिकारी को सभी प्रकार के वित्तीय अधिकार दे दी गई है (प्रतिलिपि संलग्न)। दिनांक 25.03.2026 के कार्यालय आदेशानुसार नवनियुक्त लेखा पदाधिकारी श्री हुलास नायक को रिनपास के सभी S.B एवं F.D Account के वित्तीय हस्ताक्षरकर्ता के रूप में नामित कर दिया गया है, जो निश्चित रूप से यह दर्शाता है कि डॉ0 जयती सिमलाई के द्वारा रिनपास में बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाला किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसकी अनुमोदन प्रबंध कारिणी समिति से नहीं ली गई है।
2. ज्ञात हो कि वर्ष 2022 से डॉ0 जयति सिमलाई को प्रभारी निदेशक बनाये जाने के उपरांत लगातार उनके द्वारा किये जा रहे वित्तीय अनिमित्ता की शिकायत स्थानीय

27/4/26

मर रहें।
हेमंत सोरेन जिंदाबाद

नवीन तिर्की
अध्यक्ष
कांके प्रखंड
रांची झारखण्ड
MOB- 7677870960

पत्रांक : .... दिनांक : ....

प्रतिनिधियों के द्वारा समय–समय पर स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई गई थी। परंतु विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई।

इसी कम में तात्कालीन प्रमण्डलीय आयुक्त श्री के0के0 खंडेलवाल के द्वारा स्वास्थ्य विभाग को पत्र के माध्यम से वर्ष 2015 में ही अवगत करा दी गई थी कि यदि भविष्य में डॉ0 जयति सिमलाई को रिनपास का निदेशक बनाया जाता है तो डॉ0 जयति सिमलाई द्वारा वित्तीय अनियमित्ता एवं पद का दुरूपयोग किया जायेगा। जो बिन्दु–1 को चरितार्थ कर रहा है।

3. यह भी सूचित करना आवश्यक है कि वर्ष 2022 से लेकर अबतक कई न्यायोचित मामले डॉ0 जयति सिमलाई के विरूद्ध विचाराधीन है। जिसमें सबसे महत्तवपुर्ण वर्तमान में ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट, रांची के न्यायालय में रिनपास में ईलाजरत महिला मरीज तैरूनिशा से संबंधित गैर इरादतन हत्या के मामले में स्वंय ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट के द्वारा डॉ0 जयति सिमलाई को आरोपी मानते हुए उनके विरूद्ध मुकदमा चलाने का आदेश दिया गया है। इसी कम में डॉ0 जयति सिमलाई द्वारा न्यायालय में आत्मसमर्पन करते हुए बेल प्राप्त किया गया है, जिसकी अभी सुनवाई 27.04.2026 को होना है। जिसमें न्यायालय द्वारा पिछले सुनवाई में सशरीर अपसिथत होने का आदेश दिया गया है। इसी कड़ी में डॉ0 जयति सिमलाई के विरूद्ध श्री उत्तम कुमार समाजसेवी एवं श्री सूरज कुमार गुप्ता के द्वारा कमशः निगरानी विभाग एवं उच्च न्यायालय रांची में विभिन्न मामले दर्ज हैं।

उपरोक्त सभी तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि डॉ0 जयति सिमलाई द्वारा वर्ष 2022 से पुनः प्रभारी निदेशक बनने के उपरांत अबतक लगातार भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमित्ता एवं पद का दुरूपयोग किया जा रहा है। इसलिए झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के कांके प्रखण्ड अध्यक्ष एवं स्थानीय प्रतिनिधि होने के नाते यह मेरी नैतिक जिम्मेवारी है कि पार्टी की छवि

गुरु शिबू सोरेन अमर रहें।

हेमंत सोरेन जिंदाबाद

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा

झारखंड मुक्ति मोर्चा
कांके, प्रखंड समिति

नवीन तिर्की
अध्यक्ष
कांके प्रखंड
राँची झारखण्ड
MOB- 7677870960

पत्रांक : .....

दिनांक : .....

और पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष सह राज्य के मुख्यमंत्री की छवि को किसी के द्वारा धुमिल करने को न तो मैं बर्दाश्त कर सकता हूँ न तो मेरी पार्टी।

अतः आपसे सादर अनुरोध है कि उपरोक्त सभी तथ्यों को ध्यान मे रखते हुए डॉ0 जयति सिमलाई को तत्काल निलंबित करना चाहेंगे। ताकि झारखण्ड वासियों के बीच पार्टी और पार्टी के मुखिया सह मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार के द्वारा भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने की जीरो टॉलरेंस नीति का अच्छा संदेश जा सके।

संलग्न (छायाप्रति) :–

1. डॉ0 जयति सिमलाई द्वारा निर्गत चिट्ठी।
2. के0के0 खंडेलवाल द्वारा स्वास्थ विभाग को लिखी गई चिट्ठी।
3. महिला मरीज तैरूनिशा केस के आदेश की कॉपी।
4. विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन केस की कॉपी।

भवदीय

Naveen Tirkey

(नवीन तिर्की)

अध्यक्ष

झा0मु0मो0, कांके, रांची।

मो0 नं0– 7677870960

प्रतिलिपी :–

1. अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार।
2. माननीय मंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार।
3. मंत्री मंडल निगरानी विभाग, झारखण्ड सरकार।
4. मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार।
5. केन्द्रीय अध्यक्ष, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा।

27/04/2026

हेमंत सोरेन जिंदाबाद

नवीन तिर्की

Ranchi Institute of Neuro-Psychiatry & Allied Sciences (RINPAS)

राँची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (रिनपास)

Kanke, Ranchi - 834006 (Jharkhand) Phone (0651) 2450813, 2450303, 2450188
कांके, राँची 834006 (झारखण्ड) फोन न0 0651 2450813, 2450303, 2450188
https://rinpas.jharkhand.gov.in, Email id- director[illegible] & director-rinpas@jharkhandmail.gov.in

Letter No. :- 734

Date :- 25/03/26

From,

Dr. Jayati Simlai
Director
Ranchi Institute of Neuro-Psychiatry & Allied Sciences (RINPAS)
Kanke, Ranchi-834006 (Jharkhand)

To,

The Senior Manager
Indian Bank
RINPAS Branch
Kanke, Ranchi-834006

Sub :- Specimen Signature of Shri Hulash Nayak, Accounts Officer, RINPAS, Kanke, Ranchi for all S.B. Accounts & F. D. Accounts of RINPAS.

Dear Sir,

Shri Hulash Nayak, Accounts Officer, RINPAS, Kanke, Ranchi is hereby authorized to sign the cheque amounting above Rs. 50,000/- (Fifty Thousand) as 2nd signatory as Accounts Officer, RINPAS with effect from 23-03-2026 to till further order vide Office order no.- 704 dated-20.03.2026, RINPAS. (Letter Enclosed)

The specimen signature of Shri Hulash Nayak is hereby attested below:-

1. [signature]
2. [signature]
3. [signature]

Jayati Simlai
24.3.2026

Yours Faithfully

[signature] 24/3/2026

Dr. Jayati Simlai
Director
RINPAS, Kanke, Ranchi

हेमंत सोरेन जिंदाबाद

आयुक्त, कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची।

पत्रांक 2921 /
दिनांक 15 अक्टूबर , 2015

प्रेषक,

आयुक्त,
दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल,
राँची।

सेवा में,

प्रधान सचिव,
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग,
झारखण्ड, राँची।

स्वा०
क्र० 6816 (A)
दिनांक 15/10/15

स्वास्थ्य चि० शि० एवं परिवार कल्याण विभाग
वितरण शाखा
प्राप्ति सं० 10325
दिनांक 15/10/15
झारखण्ड, राँची

विषय:— डा० जयती सिमलई, निदेशक, रिनपास, कांके, राँची के कार्यकलापों के संबंध में।

महाशय,

दिनाक 10.09.2015 को रिनपास प्रबंधकारिणी समिति की बैठक हुई थी। बैठक के पश्चात् मैंने निदेश दिया था कि बैठक की कार्यवाही दो दिनों के अंदर उपस्थापित किया जाय। लेकिन बैठक की कार्यवाही लगभग 20 दिनों के बाद उपस्थापित हुई और वह भी आधी-अधूरी।

दिनांक 10.09.2015 को हुई रिनपास प्रबंधकारिणी की बैठक में सदस्यों से प्रस्ताव आया कि वर्त्तमान मे रिनपास को National Medical Library से संबद्ध होना जरूरी है, जिसमें 2 1 लाख की राशि का ही वहन करना होगा। इससे कई तरह के अद्यतन journals एवं आवश्यक पठनीय सामग्री स्वतः प्राप्त होती रहेगी जिससे रिनपास काफी लाभान्वित होगा। साथ ही ऐसा करने पर लाईब्रेरी हेतु 10 से 20 लाख रू० की राशि प्रत्येक वर्ष के लिए पर्याप्त होगी। साथ ही अद्यतन आवश्यक पठनीय सामग्री भी उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में निदेशक, रिम्स के द्वारा बताया गया कि रिम्स मे लाईब्रेरी मद मे लगभग 20 लाख रू० प्रतिवर्ष ही व्यय की जाती है। विचारोपरान्त समिति के द्वारा निर्णय लिया गया कि रिनपास अतिशीघ्र National Medical Library से संबद्ध हो जाय एवं लाईब्रेरी के मद में अधिकतम 20 लाख रू० की राशि ही प्रतिवर्ष व्यय की जाय।

आज दिनांक 14.10.2015 को डा० जयती सिमलई, निदेशक, रिनपास, कांके, राँची मेरे कक्ष में आयी और इस निर्णय को कार्यवाही से हटाने के लिए कहने लगी, ताकि लाईब्रेरी मद में प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख रू० की राशि व्यय की जा सके। मैंने इस संबंध में उनसे कहा कि अगर उन्हें प्रबंधकारिणी समिति के इस निर्णय पर आपत्ति है तो वे अपना dissent note अंकित कर सकती हैं। लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुई एवं प्रबंधकारिणी समिति में हुए निर्णय को विलोपित करने का दबाव बनाती रही। डा० जयती सिमलई, निदेशक, रिनपास, कांके, राँची का व्यवहार अत्यंत असंतोषजनक है। इसके बने रहने से वित्तीय अनियमितता के साथ-साथ कतिपय कठिनाईयाँ भविष्य में उत्पन्न हो सकती हैं।

डा0 जयती सिमलई, निदेशक, रिनपास के द्वारा **National Medical Library** से संबद्ध होने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। लेकिन उनका इरादा बस इतना था कि लाईब्रेरी मद में 70 लाख रू0 की राशि को खर्च कर सके। जबकि **National Medical Library** से संबद्ध होने पर कम खर्च में रिनपास के फैक्ल्टी एवं छात्रों को काफी फायदा होता। यह घटना एक उदाहरण मात्र है। इनके द्वारा बारम्बार प्रशासनिक एवं वित्तीय नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से कार्य करने का प्रयास किया जाता है।

अतः अनुरोध है कि उपरोक्त परिप्रेक्ष्य विभाग के स्तर से समुचित कार्रवाई करने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन,

Kailash 14/10/15

आयुक्त।

हेमंत सोरेन जिंदाबाद

In the court of Ms. Ritwika Singh, Judicial Magistrate, 1st Class XXIV, Ranchi.

Complaint Case No. 10777-2022

20.01.2026 Today the case record is fixed for order on the point of issuance of summons. Attendance has been filed on behalf of the complainant.

On perusal of the case record it transpires that on 06.01.2026, the complainant has filed the order of the Hon'ble Court in W.P.(Cr.) no. 462 of 2022 and from perusal of the same it transpires that vide order dt.08.05.2023, the Hon'ble Court has dismissed the same as infructuous.

The ld. Counsel for the complainant submitted that the present protest-cum-complaint case has been filed on 08.12.2022. The brief fact of the case is that originally the complainant had filed a case which has been sent to the police station u/s section 156(3) of Cr.P.C. and accordingly, the case has been registered as Kanke PS case no. 198 of 2022 u/s 420/279/304(A) of IPC against the proposed accused namely, Dr. Jayati Simlai. However, without proper investigation and without recording the statement of the witness, the IO has submitted the final form on the ground of "lack of evidence" upon which the present protest-cum-complaint has been filed.

The complainant's case is that on the date of occurrence i.e. on 02.03.2022 in the afternoon the proposed accused, who was working in capacity of Additional Professor & Head Dept. Of Psychiatry, RINPAS, Kanke, hit a femlae patient namely, Tairu Nissa, by her car bearing registration no. JH01CC9687 as she was driving the same rashly and negligently inside the female ward of RINPAS campus where no vehicle is allowed as all the mentally challenged persons roam there. The said patient/victim having CRF no. 94/071744 was admitted in RINPAS since 24.07.1994 by Superintendent Central Jail, Patna, Bihar as she was diagnosed with Psychosis NOS (a severe mental disorder). The proposed accused person who was driving her car rashly and negligently hit the abovementioned patient/victim from front of her car and thus she got stuck under the body of the said car. Following this, few female guards and other staffs rushed towards the car and somehow they managed to get the patient out and saw that she was severely bleeding. Thereafter, she was rushed to Emergency RIMS, Ranchi where she was under the Orthopedic Ward under the supervision of Dr. Gupta. However, eventually, the said victim/patient passed away on 14.04.2022 in RIMS, Ranchi due to severe injuries sustained in the said accident.

Further, the case is that thereafter, the then Director, RINPAS issued show cause letter to the proposed accused through letter no. 718 dt. 14.03.2022 and in reply she admitted that the deceased Tairu Nissa, died on 14.04.2022 in RIMS, Ranchi due to severe injuries sustained in the accident from the car which was driven by her inside the female ward. She also admitted that she took her car inside the female ward because she was not feeling well enough to walk.

In support of the case the complainant has examined himself on SA as well as also examined altogether seven enquiry witnesses and all of them supported the complainant's case. Apart from that, the complainant has also filed the photocopy of the showcause letter no. 718 dt. 14.03.2022 of the Director RINPAS, Kanke, Ranchi and photocopy of reply dt. 16.03.2022 of the proposed accused.

Heard and perused the case record. From perusal it transpires that the case is with resepect to the death of the victim/patient due to the injuries sustained by her in the car accident by the proposed accused. From perusal of the

nation of the complainant on SA, it transpires that he has fully supported his case. Further, the enquiry witness no.1 namely, Subhash Soren, the then Director, Incharge, RINPAS has also supported the case and deposed that he issued a showcause notice to the proposed accuused in reply to which she admitted in her handwriting that she committed the said accident while she was driving her car herself. He also deposed that the nurse namely, Runu Day, posted in female ward has informed him about the said accident. Further, said Renu Day @ Runu Day has been examined as enquiry witness no.2 and she has also supported the case and deposed that on the date of occurrence, the security guard infromed her about the accident. Similarly, enquiry witness no.3 has also deposed the same. Enquriy Witness no.4 has also supported the case and deposed that she got to know about the accident from the security guard and upon getting the knowledge of accident, she reached there and found that the patient was injured. Further, enquiry witness no.5 has also supported the case and deposed that on the date and time of occurrence, he was on duty at the gate of the female ward road. Upon getting knowledge of accident, he went to the place of occurence and found the patient lying on the road. Similarly, enquiry witness no.6 namely, Sunita Kerketta, has also fully supported the case of the complainant and deposed that she has seen the accident herself as at the time of accident she was present on the place of occurrence. She also deposed that the proposed accused hit the patient Tairu Nissa by her red coloured car, while she was sitting infront of the informary ward. The enquiry witness no.7 i.e. the doctor who conducted the post-mortem of the patient/victim has also been examined and he has opined that such injuries can be sustained in a car accident.

From perusal of the case record, the depositions of the complainant on SA and the enquiry witnesses as well as after perusal of the photocopies of the documents filed by the complainant i.e. the photocopy of the showcause letter no. 718 dt. 14.03.2022 and the reply of the proposed accused dt.16.03.2022, I find that there is suffiecient material to proceed against the accused namely, Dr. Jayati Simlai only u/s 279 and 304(A) of IPC. However, I do not find any material under the other alleged sections.

Accordingly, the complainant is directed to file the requisites to issue summons to the accused person u/s 279 and 304(A) of IPC within 14 days of this order. Fix the case record for filing the requisites on 13.02.2026.

(Dictated)

Sd/-

(Ms. Ritwika Singh)
J.O CODE-JH00634
J.M. 1st Class XXIV,
Ranchi

View Business

Daily Status
In The Court Of :J.M.F.C- XXIV
CNR Number. :JHRN030220582022
Case Number. : Complaint Case/0010777/2022
Sonu Tirkey Alias Sonu Munda **Versus** Dr. Jayati Simlai
Date :12-03-2026

Business	:	Complainant filed attendance through lawyer. Accused is on representation which is allowed for today only. Accused must appear physically on next date fixed.
Next Purpose	:	Substance
Next Hearing Date	:	02-04-2026
J.M.F.C- XXIV		

E-COURTS
HIGH COURTS OF INDIA

High Court of Jharkhand

Back

Case Details

Case Code	205000021962026
Filing Number	WPC/2196/2026
Filing Date	19-02-2026
CNR Number	JHHC010065252026

Petitioner	SURAJ PRAKASH GUPTA
	Versus
Respondent	THE STATE OF JHARKHAND, THROUGH CHIEF SECRETARY, GOVERNMENT OF JHARKHAND, RANCHI ADDITIONAL CHIEF SECRETARY, DEPARTMENT OF HEALTH, MEDICAL EDUCATION AND FAMILY WELFARE, DR. JAYATI SIMLAI, IN-CHARGE DIRECTOR, RINPAS, KANKE

Document Details

Sr. No.	Document No.	Date of Receiving	Filed by	Name of Advocate	Document Filed
1	1	18-03-2026	SURAJ PRAKASH GUPTA		RECEIPT

OBJECTION

Redressal Date	17-03-2026
1	Copy Service Receipt - i) Copy has not been served to Respondent no
2	Index - v) Serial Numbering/ Pagination not done properly.
3	(1) Date 18.08.2026 in Affidavit page may be verified/corrected as per date of Affidavit. (2) Date 17.05.1994 in Index(annex-1)
3	synopsis(annex-1) and para/sub-para 8 may be verified/corrected as per Annex-1. (3) Annex no. of Orders/documents sought to be quashed may be mentioned in synopsis
4	para 1 and prayer portion.
OBJECTION Compliance Date	17-03-2026
Case Transfered To Establishment	28-02-2026
1	Copy Service Receipt - i) Copy has not been served to Respondent no
2	Index - v) Serial Numbering/ Pagination not done properly.
3	Petition - ii) Title/ Cause Title/ etc not given.
4	(1) Date 18.08.2026 in Affidavit page may be verified/corrected as per date of Affidavit. (2) Date 17.05.1994 in Index(annex-1)
4	synopsis(annex-1) and para/sub-para 8 may be verified/corrected as per Annex-1. (3) Annex no. of Orders/documents sought to be quashed may be mentioned in synopsis
5	para 1 and prayer portion.
OBJECTION Compliance Date	17-03-2026
Case Transfered To Establishment	28-02-2026

Back

IN THE COURT OF ONKAR NATH CHOUDHARY

Spl. Judge Vig Ranchi

VIG. COMPLAINT 2/2025

CINO: JHRN010147612025

UTTAM KUMAR Vs JAYATI SIMLAI

Schedule XLII-High Court (J) 9a [Old (M) 164]

Sl No.	Date	Order with signature	Office Action
	13-02-2026	Attendance of complainant has been filed. Up on call Ld. Counsel on behalf of complainant appeared and prayed for time to file sanction order . Put up on next date awaiting sanction order and for hearing. **Put up on 13-03-2026 for Hearing of Case.** *(Dictated)* *Sd/-* **(Onkar Nath Choudhary)** **Spl. Judge Vig Ranchi** JOCODE-(JH00492)	

IN THE HIGH COURT OF JHARKHAND AT RANCHI

WP(S) No.1115 of 2026

Uttam Kumar ... **Petitioner(s).**

Versus

The State of Jharkhand and Others ... **Respondent(s).**

CORAM : SRI ANANDA SEN, J.

For the Petitioner(s) : Mr. Abhijeet Kr. Singh, Advocate
For the RINPAS : Dr. Ashok Kr. Singh, Advocate

.....

02 /18.02.2026: Learned counsel for the petitioner must file an interlocutory application for conversion of this writ petition as according to this Court the prayer made therein is not related to service dispute.

(ANANDA SEN, J.)

18.02.2026
Tanuj